पैटर्न मेकिंगः
इंपायर लाइन और इससे बनने वाले डिजाइन

पैटर्न मेकिंग शृंखला के चौथे भाग में निफ्ट, दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर एन.ए.खान ने डार्ट इन सीम यानी डार्ट को काट कर उसे स्टाइल लाइन या प्रिंसेस सीम में बदलने की प्रक्रिया को समझाया था. इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए वे इस अंक में इंपायर लाइन और इससे बनने वाले डिजाइनों पर चर्चा कर रहे हैं.

प्रिंसेस लाइन के अलावा डिजाइन बनाने का दूसरा तरीका इंपायर लाइन है. इंपायर लाइन की स्टाईल में गारमेंट के फ्रंट व बैक पैनल में दाएं से बाएं यानी हॉरीजौंटल सीम लाइन डाली जाती है और फिर पैनल्स को काटा जाता है. इसमें सीम लाइन बस्ट के ठीक नीचे से शुरू होती है जिसे हम रिबकेज या मिडरिफ एरिया भी कहते हैं. डिजाइन के लिए फोटो नं. 1 देखें-

फोटो 1

इंपायर लाइन विकसित करने का तरीका

इसमें सबसे पहले बेसिक ब्लॉक की शोल्डर डार्ट को वेस्ट डार्ट में बदलते हैं. इंपायर लाइन डिजाइन बनाने के लिए हमें कंटूरिंग के बारे में पता होना चाहिए. कंटूरिंग गारमेंट को शरीर के और समीप से फिट करने का तरीका है. किसी भी बॉडिस को कन्टूर करने के लिए उसमें से निश्चित जगहों से फुलनेस काट के निकाल ली जाती है. फुलनेस पूरी तरह सटीक होने चाहिए.

फोटो 2 के A भाग में टाप गारमेंट के साथ और B भाग में ब्रा के साथ दिखाया गया है. B भाग में साफ दिख रहा है कि ब्रा बॉडी के साथ चिपकी हुई है जबकि गारमेंट रिबकेज एरिया से बिल्कुल अलग है. यदि गारमेंट की

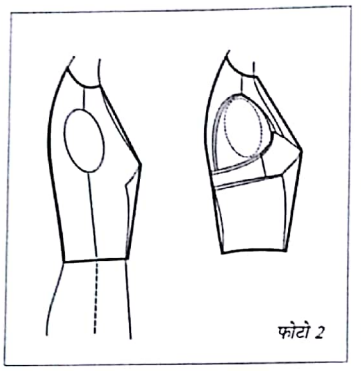

फोटो 2

A B

वेस्ट डार्ट शेप यानी कन्टूर कर दें तो रिबकेज या मिडरिफ एरिया में गारमेंट बिल्कुल फिट हो जाएगा. पैटर्न में कन्टूर वेस्ट डार्ट के लिए फोटो नं. 3 देखें- बस्ट का झुकाव नीचे की तरफ रहता

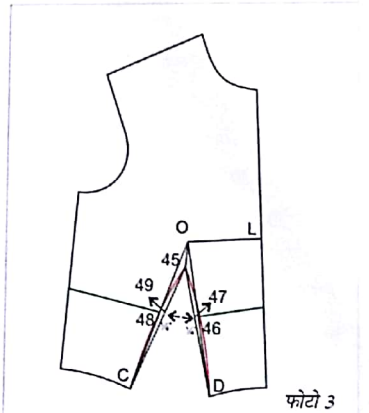

फोटो 3

है. इसलिए हम ज्यादातर शेपिंग नीचे की डार्ट यानी वेस्ट डार्ट में करते हैं. फोटो नं. 3 में शोल्डर डार्ट को वेस्ट डार्ट में बदलने से CD की डार्ट चौड़ाई बढ़ गई है. 0 से 45 1.25 इंच है. 45 को CD से जोड़ा गया है जो हमारी बेसिक डार्ट होगी. ग्रीन लाइन इंपायर लाइन है जो डिजाइन के अनुसार ऊपर-नीचे हो सकती है लेकिन 45 के पास नहीं होगी. 46-47 और 48-49 1/4 इंच है, शेपिंग (कंटूरिंग) को लाल रंग से दिखाया गया है. लाल रंग शेपिंग डार्ट लैग की कंटूरिंग है. फोटो 4 में इंपायर लाइन का तैयार

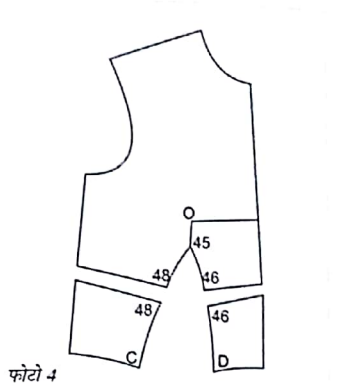

फोटो 4

पैटर्न है. इसके बाद पैटर्न हरी लाइन से काटा गया. 45-46-48 वेस्ट डार्ट स्टिच होगा. हरी लाइन से नीचे कटे हुए दोनों पीस CD 46-48 मिलाकर दूसरी शीट पर ट्रांसफर करें. देखें फोटो नं. 5-यह एक पीस में बदल जाएगा. बीच का मार्जन रबड़ से मिटा दें. इसी तरीके से हम बैक के लिए भी कर सकते हैं लेकिन बैक की डार्ट में कोई शेपिंग (कंटूरिंग) नहीं होती. इंपायर लाइन ड्रेस के पैटर्न में दो पैनल्स होंगे एक अपर बॉडिस (फोटो 3 का ऊपरी हिस्सा).

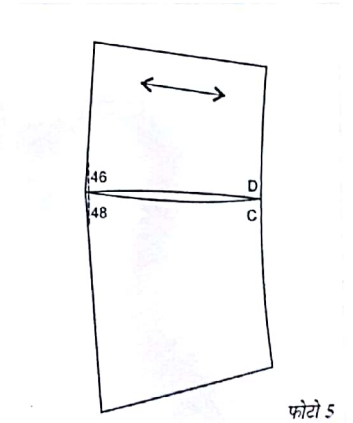

फोटो 5

इस शृंखला में अब तक बेसिक ब्लॉक, डार्ट, डार्ट मैनिपुलेशन,डार्ट स्टाइल, प्रिंसेस लाइन और इंपायर लाइन के बारे में विस्तार से बताया गया है. अगले अंक में स्लीव पर चर्चा की जाएगी.

Scanned by CamScanner